ई-संदेश

23 अक्टूबर, 2025 | अंक 176

सात दिन – सात पृष्ठ

संपन्न हुआ भव्य दीपोत्सव 2025

› शोभा यात्रा की झलकियां

› दीपोत्सव की झलकियां

› दीपोत्सव-2025 के अवसर पर अयोध्या में भव्य 'शोभा यात्रा'

› अन्धकार पर आस्था की विजय के प्रतीक हैं दीप : मुख्यमंत्री

› दीपोत्सव न केवल आस्था का उत्सव, बल्कि यह उ0प्र0 की विकास यात्रा और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक भी : मुख्यमंत्री

› हमारी समृद्धि में हमारे देश की स्वदेशी माटी की झलक भी दिखाई देनी चाहिए : मुख्यमंत्री

› केंद्रीय रक्षा मंत्री एवं उ0प्र0 के मुख्यमंत्री दीपोत्सव कार्यकर्ता परिवार मिलन समारोह में सम्मिलित हुए

› रक्षा मंत्री एवं मुख्यमंत्री ने टाइटेनियम और सुपर एलॉय मैटीरियल्सप्लांट का लोकार्पण तथा पी0टी0सी0 इण्डस्ट्रीज का भ्रमण किया

› रक्षा मंत्री तथा मुख्यमंत्री ने डिफेन्स इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लखनऊ नोड में निर्मित ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल के प्रथम बैच का फ्लैग ऑफ किया

› विद्यार्थियों को पढ़ाई-लिखाई के लिए प्रत्येक स्तर पर मेहनत करनी चाहिए :मुख्यमंत्री

› सरदार वल्लभ भाई पटेल आधुनिक भारत के शिल्पी हैं:मुख्यमंत्री

› सरकार शहीद पुलिस जवानों के परिवारों के कल्याण और सुविधाओं के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री

नए भारत का नया उत्तर प्रदेश

अयोध्या धाम में संपन्न हुआ नौवां
दीपोत्सव
जगमग हुई अयोध्या

शोभा यात्रा की झलकियां

दीपोत्सव की झलकियां

दीपोत्सव की झलकियां

दीपोत्सव-2025 के अवसर पर अयोध्या में भव्य 'शोभा यात्रा'

दीपोत्सव-2025 के अवसर पर अयोध्या में 19 अक्टूबर, 2025 को प्रातः सर्वप्रथम भगवान श्रीराम के आदर्श एवं जीवन दर्शन तथा विभिन्न सामाजिक विषयों से जुड़ी झांकियों सहित भव्य 'शोभा यात्रा' का आयोजन किया गया। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने 'शोभा यात्रा' का शुभारम्भ झण्डी दिखाकर किया। यह मनोरम शोभा यात्रा साकेत महाविद्यालय से प्रारम्भ होकर अयोध्या के मुख्य मार्गों से होते हुए रामकथा पार्क में सम्पन्न हुई।

'शोभा यात्रा' में 15 झांकियां प्रस्तुत की गईं। इनमें (1) दीपोत्सव (2) बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, (3) गोवंश सुरक्षा का संकल्प, (4) मिशन शक्ति, (5) ओ0डी0ओ0पी0, (6) स्वच्छ भारत मिशन, (7) जल जीवन मिशन, (8) उत्तर प्रदेश पुलिस, (9) पी0एम0 सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, (10) विकसित भारत (11) आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, (12) उत्तर प्रदेश डिफेंस इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर, (13) आत्मनिर्भर नारी, (14) प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास योजना तथा (15) अयोध्या विकास प्राधिकरण की झांकियां प्रमुख रुप से शामिल रहीं। शोभा यात्रा में विभिन्न कलाकारों ने प्रतिभाग किया। इसके अलावा, पर्यटन विभाग की भी झांकियां शामिल रहीं। झांकियों का भारी जनसैलाब ने अभिवादन तथा अवलोकन किया और कलाकारों तथा झांकियों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। झांकियों का संयोजन व प्रदर्शन प्रदेश के सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग तथा पर्यटन विभाग द्वारा किया गया।

अन्धकार पर आस्था की विजय के प्रतीक हैं दीप : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 19 अक्टूबर, 2025 को जनपद अयोध्या के राम कथा पार्क में दीपावली के अवसर पर आयोजित दीपोत्सव-2025 में भगवान श्रीराम के स्वरूप का राज्याभिषेक किया। उन्होंने श्री राम दरबार की आरती की तथा साधु-संतों का सम्मान किया।

मुख्यमंत्री जी ने इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि अयोध्या सप्तपुरियों में प्रथम है। यहाँ धर्म स्वयं मानव रूप में अवतरित हुआ है। अयोध्या के हर कण में मर्यादा है, हर जीव में दया है और हर हृदय में भगवान श्रीराम का वास है। भगवान वाल्मीकि ने कहा है कि 'रामो विग्रहवान् धर्मः साधुः सत्य प्रभावः, राजा सर्वस्य लोकस्य देवानाम् इव वासवः'।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2017 में पहला दीपोत्सव आयोजित किए जाने का निर्णय लिया गया था। इसके पीछे यह भाव था कि दीपावली के अवसर पर दुनिया को दीप प्रज्चलन के पीछे के उद्देश्यों का पता चले। हजारां वर्ष पूर्व जब दुनिया अन्धकार में जी रही थी, तब अयोध्या ने अपने आराध्य और अस्तित्व के प्रतीक भगवान श्री राम के लंका विजय के उपरान्त अयोध्या आगमन पर अभिनन्दन के लिए दीप प्रज्चलित किए थे। यही सनातन धर्म का एक महापर्व बन गया। उसी दीपोत्सव को जीवन्त बनाए रखने के लिए हमने दीपोत्सव अभियान को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2017 में जब पहला दीपोत्सव आयोजित किया गया, उस समय अयोध्या में दीप प्रज्चलित करने के लिए हमें पर्याप्त मात्रा में दीप नहीं मिले थे। अयोध्या धाम में उस समय 50,000 दीप ही मिल पाए थे। शेष दीप पूरे प्रदेश भर से एकत्रित किए गए थे और वर्ष 2017 में 01 लाख 71 हजार दीप प्रज्चलित हुए थे। आज लाखों-लाख दीप अयोध्या धाम में प्रज्चलित होते हैं और हर भारतवासी के संकल्प के प्रतीक बनते हैं। यह दीप 500 वर्षों के अन्धकार पर आस्था की विजय के प्रतीक हैं। इन 500 वर्षों में हमारे पूर्वज अनेक संघर्षों से जूझे थे। यह दीप उसी संघर्ष का प्रतीक हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अब जब दीपोत्सव के 9वें संस्करण का आयोजन हो रहा है, तब भगवान श्रीराम अपने भव्य और दिव्य मंदिर में विराजमान हैं। हर दीप हमें यह याद दिलाता है कि सत्य परेशान हो सकता है, लेकिन पराजित नहीं हो सकता। सत्य की नियति विजयी होने की होती है। इसी नियति के लिए सनातन धर्मावलंबियों ने 500 वर्षों तक संघर्ष किया। इस संघर्ष का परिणाम है कि अयोध्या में भव्य और दिव्य श्री राम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण हो सका है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज जब श्रीरामलला अपने भव्य मंदिर में विराजमान हैं, हमारे पूर्वजों का संकल्प पूरा हुआ। श्री नरेन्द्र मोदी जी पहले प्रधानमंत्री थे, जो अयोध्या आए और उन्होंने श्री रामलला के दर्शन किए तथा श्री राम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण की आधारशिला रखी। प्रधानमंत्री जी ने भगवान श्रीरामलला के विराजमान होने से पूर्व, श्रीराम से जुड़े देश भर के मन्दिरों का दर्शन किए। उन्होंने 22 जनवरी, 2024 को श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर में श्रीरामलला को विराजमान कर सनातन आस्था को सम्मान देने का कार्य किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज जब हम अयोध्या को लाखों दीपों से जगमगा रहे हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज अयोध्या आस्था के साथ-साथ दुनिया में पर्यटन का नया केन्द्र बनकर उभरी है। जिस अयोध्या में पहले केवल कुछ हजार श्रद्धालु ही आते थे। वहीं आज हर वर्ष 06 करोड़ से 10 करोड़ श्रद्धालु अयोध्या में आ रहे हैं। यह नयी अयोध्या है। प्रधानमंत्री जी के संकल्पों के अनुरूप हम अयोध्या को वैश्विक आध्यात्मिक तथा आस्था की राजधानी के रूप में स्थापित कर रहे हैं। अयोध्या में सुगम्य अयोध्या, सुरम्य अयोध्या, सक्षम अयोध्या, स्वच्छ-आयुष्मान अयोध्या, सांस्कृतिक-आध्यात्मिक अयोध्या, भावनात्मक अयोध्या जैसी अलग-अलग थीम के साथ विकास के अनेक कार्य किए जा रहे हैं। आज देश-दुनिया के लोग अयोध्या में दर्शन के लिए आ रहे है।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अयोध्या में जहाँ कभी अन्धकार था, आज वहाँ प्रकाश ही प्रकाश नजर आ रहा है। जिस अयोध्या में अच्छी सड़कें नहीं थीं, जनसुविधाएँ नहीं थी, आज वही अयोध्या जगमगा रही है और अपनी नयी पहचान से दुनिया को आकर्षित कर रही है।

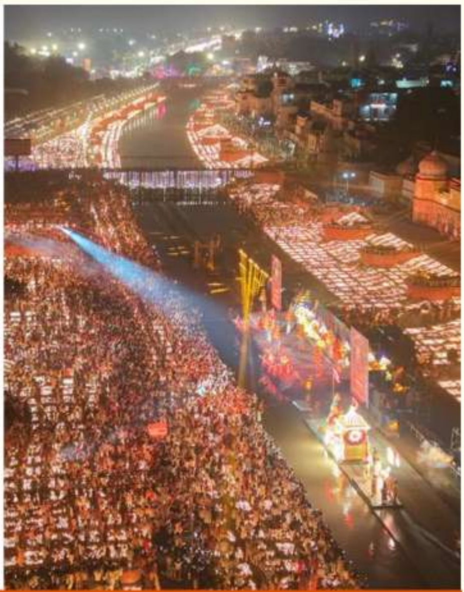

दीपोत्सव न केवल आस्था का उत्सव, बल्कि यह उ0प्र0 की विकास यात्रा और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक भी : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 19 अक्टूबर, 2025 को राम की पैड़ी, जनपद अयोध्या में दीपोत्सव-2025 के अवसर पर दीप प्रज्वलित किया। इस अवसर पर उन्होंने मंत्रोच्चार के साथ सरयू जी की आरती एवं पूजन किया। 2,128 साधक एवं अर्चकों ने एक साथ सरयू जी की आरती कर विश्व रिकॉर्ड बनाया। दीपोत्सव-2025 में राम की पैड़ी पर एक साथ 26 लाख 17 हजार 215 दीप प्रज्वलित करने का गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित हुआ। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की ओर से मुख्यमंत्री जी को इन कीर्तिमानों का प्रमाण-पत्र सौंपा गया। इस प्रकार दीपोत्सव-2025 में 02 विश्व कीर्तिमान रचे गए।

मुख्यमंत्री जी ने इस अवसर पर कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि दीपोत्सव न केवल आस्था का उत्सव है, बल्कि यह उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा और सांस्कृतिक विरासत का भी प्रतीक है। दीपोत्सव ने उत्तर प्रदेश को नई पहचान दी है। उत्तर प्रदेश अंधकार से उजाले की ओर अग्रसर है। प्रदेश के नौजवानों, नागरिकों के सामने पहचान का संकट न खड़ा हो और कोई भी उनकी आस्था से खिलवाड़ न कर सके, इसके लिए डबल इंजन सरकार लगातार कार्य कर रही है। आज अयोध्या धाम में 26 लाख 17 हजार से अधिक दीप प्रज्ज्वलित हुए हैं, जो लोगों की आस्था और दीप बनाने वालों के परिश्रम का प्रतीक हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उन्हें श्री राम जन्मभूमि पर श्री रामलला के समक्ष पहला दीप प्रज्वलित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। यह क्षण उनके लिए गौरवपूर्ण है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि राज्य सरकार बिना भेदभाव के जनकल्याणकारी और विकास कार्यों को पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ा रही है। जनता-जनार्दन के एक-एक पैसे का सदुपयोग किया जा रहा है। भगवान श्रीराम का आदर्श चरित्र सभी को प्रेरणा प्रदान करता है। अयोध्या में भव्य श्री राम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण भारतवासियों की आस्था तथा नए भारत एवं एक भारत श्रेष्ठ भारत का प्रतीक है। भारत एक रहेगा, तो श्रेष्ठ रहेगा, कोई हमारी आस्था को ठेस नहीं पहुंचा पाएगा और दीपोत्सव सहित हर पर्व एवं त्योहार शांतिपूर्वक सम्पन्न होते रहेंगे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि दीपोत्सव हमारी आस्था और उमंग का प्रतीक है, जिसे व्यक्त करने के लिए लाखों श्रद्धालु उपस्थित हैं और दीपोत्सव-2025 के साक्षी बन रहे हैं। उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा बिना डिगे, बिना झुके, बिना रुके अनवरत रुप से आगे बढ़ती रहेगी। मुख्यमंत्री जी ने दीपोत्सव-2025 को भव्य स्वरुप प्रदान करने में अपनी भूमिका का निर्वहन करने वाले स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी स्वयंसेवकों ने जिला प्रशासन व पर्यटन विभाग के साथ मिलकर दीपोत्सव को सफल बनाया।

मुख्यमंत्री जी ने इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि यदि उन्हें दीपोत्सव का कार्यक्रम अच्छा लगा है, तो वे अपने मोबाइल की फ्लैश लाइट जलाकर एकता, उल्लास और सकारात्मक ऊर्जा का सन्देश दें। उपस्थिति श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री जी के आग्रह पर उत्साह से प्रतिक्रिया देते हुए दीपोत्सव-2025 की सफलता के प्रति अपनी सहमति दी।

दीपोत्सव-2025 के अवसर पर राम की पैड़ी पर 3-डी होलोग्राफिक शो, प्रोजेक्शन मैपिंग, रामायण पर आधारित भव्य लेजर-शो तथा ड्रोन शो का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर दिव्य व नयनाभिराम आतिशबाजी का भी लोगों ने आनंद उठाया।

मुख्यमंत्री जी ने श्री राम जन्मभूमि मंदिर में दर्शन-पूजन तथा दीप प्रज्वलित किया।

मुख्यमंत्री जी ने रामकथा पार्क में 9वें दीपोत्सव के तहत आयोजित श्री रामलीला की प्रस्तुतियों का भी अवलोकन किया। इस दौरान विभिन्न देशों तथा विभिन्न राज्यों से आए सांस्कृतिक दलों द्वारा श्री रामलीला का मंचन किया गया।

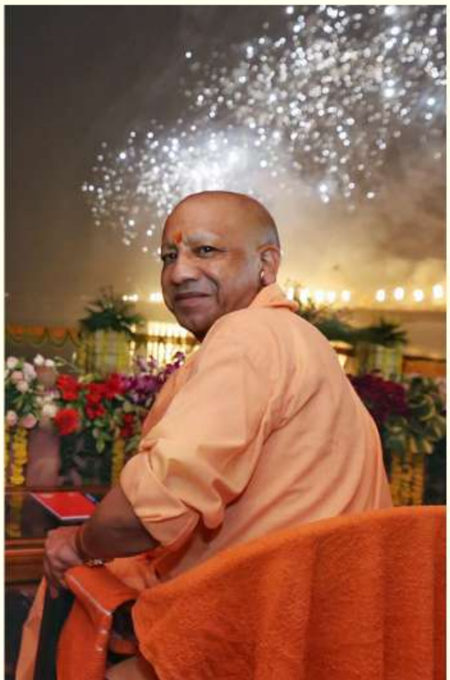

हमारी समृद्धि में हमारे देश की स्वदेशी माटी की झलक भी दिखाई देनी चाहिए : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 20 अक्टूबर, 2025 को दीपावली के अवसर पर जनपद गोरखपुर के वनटांगिया ग्राम जंगल तिकोनिया नम्बर-3 में जनपद के विभिन्न विकास परियोजनाओं के 49 करोड़ रुपये की लागत से 133 परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास किया। जिसमें लगभग 33 करोड़ रुपये की 128 विकास परियोजनाओ का लोर्कापण एवं 16 करोड़ रुपये की 05 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण की चाबी, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन का चेक, कृषि विभाग के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र तथा स्वास्थ्य विभाग का आयुष्मान कार्ड, पशुपालन विभाग द्वारा स्वीकृति पत्र, जिला औद्योगिक विकास मिशन का प्रमाण पत्र तथा निःशुल्क बीज पात्र लाभार्थियों को वितरित किये। मुख्यमंत्री जी ने स्टॉलों का अवलोकन के उपरान्त गांव का भ्रमण भी किया। मुखिया श्री रामगनेश के घर पर जाकर उनके घर के बाहर सजाई गई रंगोली के बीच दीप प्रज्चलित कर गांववासियों के लिए दीपोत्सव का शुभारम्भ किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने दीपावली की बधाई देते हुए कहा कि यह उत्साह एंव उमंग काआयोजन कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए दीपोत्सव के रुप में हम सबके सामने आता है। यह एक भव्य दीपोत्सव है,यह हमारी समृद्धि, सुशासन का प्रतीक भी है और आज उसी दीपावली पर अपनी खुशियां व्यक्त करने और सबको जोड़ने के लिए वनटांगिया गांव मे हम सब उपस्थित हुए हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पर्व और त्यौहारों के पीछे का ध्येय यही है कि जहां तक उजाला न पहुंचे वहा पर हम सब एक दीप जलाने के लिए खड़े होंगे। जहां गरीबों के पास सभी प्रकार का अभाव है हम भी उनके पास दीप, मिष्ठान लेकर जायें और दीपावली के अवसर पर उनकी खुशियों में शामिल होंगे तो यह पर्व और त्योहार नये उमंग के साथ नये भारत को विकसित भारत बनाने में देर नही लगायेगा। एक दिए में समाज के लिए समृद्धि, संवेदना झलकनी चाहिए और हमारी समृद्धि में हमारे देश की स्वदेशी माटी की झलक भी दिखाई देनी चाहिए और यह स्वदेशी माटी का रास्ता और कहीं से नहीं बल्कि वह तो इन्ही क्षेत्रों में निकलता है जहां पर आज हम खड़े हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज से 15 वर्ष पूर्व वनटांगिया गांव में जब मैं आता था तो यहां पर अभाव ही अभाव था, यहां पर न तो सड़क थी न बिजली, न पीने के लिए शुद्ध पानी, न विद्यालय और नही मकान थे। आज यहां पर समृद्धि देखने को मिल रही है, आज यहां सड़के, बिजली, पक्का मकान, विद्यालय, पेयजल, आंगनवाड़ी केन्द्र सहित सभी सुविधाएं मिल रही है। यहां के हर परिवार के पास राशनकार्ड, आयुष्मान कार्ड, पेंशन की सुविधा उपलब्ध है। हर एक के पास जमीन भी है। उन्होंने कहा कि अब वन गांव के किसान एफ0पी0ओ0 में रजिस्टर्ड है। आज यहां के किसान सब्जियों का उत्पादन करते है और गोरखपुर शहर तक पहुंचाकर अच्छा मुनाफा भी कमा रहे है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हमारी डबल इंजन की सरकार ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में यह तय किया है कि जितने भी वनवासी, गिरवासी तथा जनजाति समुदाय के क्षेत्र है उनको सभी प्रकार की सुविधाओं से आच्छादित करेंगे। इसी कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए प्रदेश की जनजाति समुदाय जैसे मुसहर, कोली, थारु, सहरिया, गौड़, चेरु, बुक्सा इन सभी जातियों को हर प्रकार की सुविधाओं से आच्छादित करके गरीबी रेखा से उपर उठाकर समृद्धि को उनके द्वार तक लेकर जा रहे हैं।

केंद्रीय रक्षा मंत्री एवं उ0प्र0 के मुख्यमंत्री दीपोत्सव कार्यकर्ता परिवार मिलन समारोह में सम्मिलित हुए

केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी 17 अक्टूबर, 2025 को यहां सिटी मॉन्टेसरी स्कूल, गोमती नगर विस्तार लखनऊ में आयोजित दीपोत्सव कार्यकर्ता परिवार मिलन समारोह में सम्मिलित हुए।

समारोह को सम्बोधित करते हुए केंद्रीय रक्षा मंत्री जी ने कहा कि आस्था और विश्वास में सबसे बड़ी ताकत होती है। यदि गणित की समस्या का समाधान आस्था एवं विश्वास से हो सकता है, तो जीवन की समस्या का समाधान भी आस्था और विश्वास से हो सकता है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्सव के पीछे का भाव लोगों के एक-दूसरे से मिलने का होता है। सनातन धर्म की परम्परा में पर्व एवं त्योहार हजारों वर्षों से मनाए जाते रहे हैं। हमारे पर्व एवं त्योहार किसी न किसी विशिष्ट घटना से जुड़े हैं। ऋषि-मुनियों ने पर्व एवं त्योहारों की परम्परा को पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाया, ताकि पूरा समाज इनसे जुड़ सके। वर्तमान समय में पर्व, त्योहार व अन्य उत्सव धीरे-धीरे परिवार तक सीमित हो गए हैं। हमें इन्हें सामूहिक रुप से कार्यक्रमों के रूप में मनाने की आदत डालनी चाहिए। दीपावली मिलन कार्यक्रम अत्यन्त प्रासंगिक है। लोग दीपावली के दिन गरीब के घर जाकर उसे मिठाई, दीप और लक्ष्मी-गणेश की प्रतिमा दें, जिससे सुख की अनुभूति प्राप्त होगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने विकसित भारत का संकल्प दिया है। सुरक्षा, समृद्धि, आत्मनिर्भरता के लिए हमारे अंदर सामाजिक एकता का भाव होना आवश्यक है। दीपावली व होली मिलन समारोह इस एकता के प्रमाण हैं। इस दीपावली मिलन कार्यक्रम के माध्यम से एकता का भाव देखने को मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि हमें स्वदेशी वस्तुओं को खरीदने की आदत डालनी चाहिए। जब केन्द्रीय रक्षा मंत्री देश को स्वदेशी मिसाइल दे रहे हैं, तो लोगों को भी स्वदेशी सामान/वस्तुएं खरीदनी चाहिए।

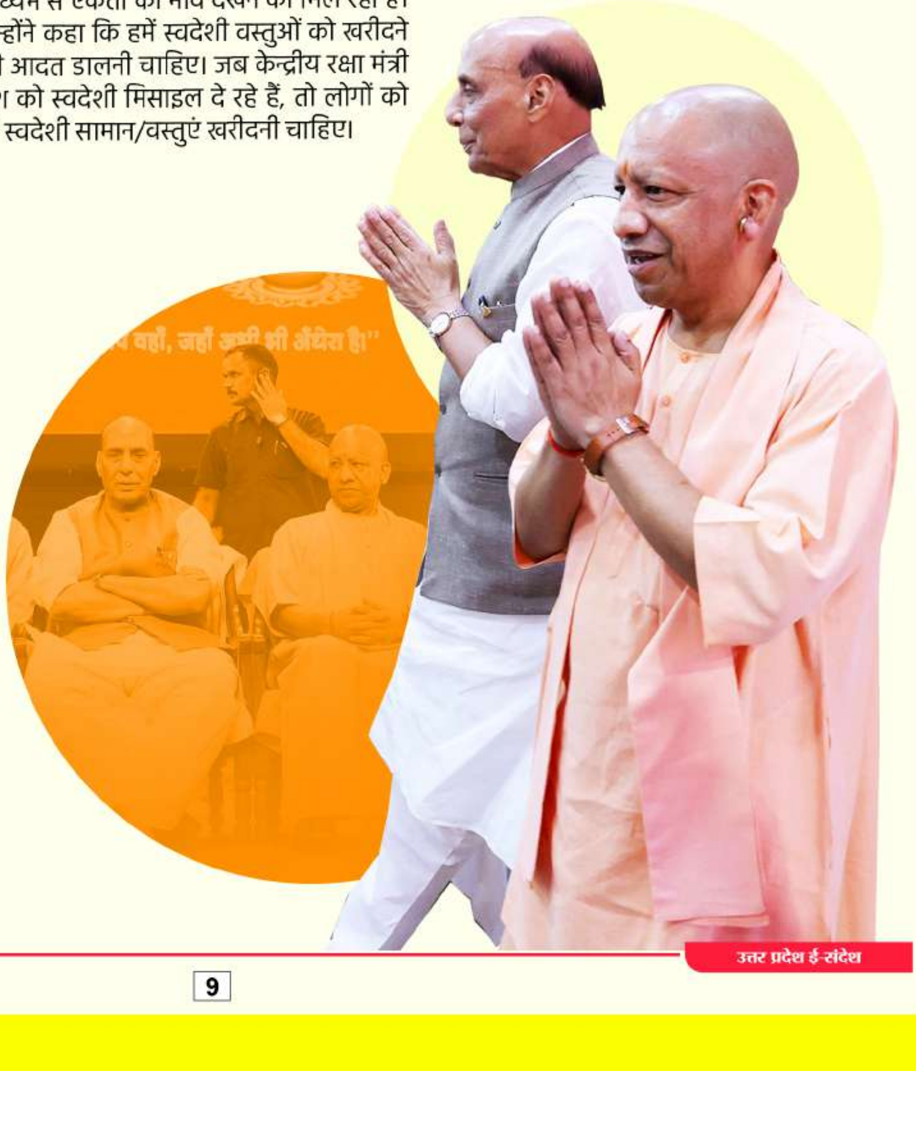

रक्षा मंत्री भारत सरकार श्री राजनाथ सिंह जी एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 18 अक्टूबर, 2025 को यहां ब्रह्मोस एयरोस्पेस, सरोजनी नगर में टाइटेनियम और सुपर एलॉय मैटीरियल्स प्लांट का लोकार्पण तथा पी0टी0सी0 इण्डस्ट्रीज का भ्रमण किया।

रक्षा मंत्री जी ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए s कहा कि यह सिर्फ एक प्लाण्ट नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश की धरती पर आत्मनिर्भर भारत के विजन का एक जीवंत उदाहरण है। यह प्लांट देश को टेक्नोलॉजी की दृष्टि से मजबूत बनाएगा और लाखों नौजवानों के जीवन में रोशनी भी लेकर आएगा। टाईटेनियम और सुपर एलॉय मैटीरियल्स प्लाण्ट भारत को उन चुनिन्दा देशों की श्रेणी में ले जाएगा, जो स्वयं क्रिटिकल डिफेंस और एयरोस्पेस मैटीरियल्स बना सकते हैं। अर्थात अब हमारे फाइटर जेट्स, मिसाइल्स, सैटेलाइट में इस्तेमाल होने वाले विभिन्न पार्ट्स किसी अन्य देश में नहीं, बल्कि भारत में ही तैयार होंगे। 'टेक्नोलॉजी इज़ पावर, बट मैटीरियल इज़ रीयल स्ट्रेन्थ'। सेमी कण्डक्टर चिप, बुलेट मैटीरियल, इंजन टर्बाइन पार्ट जैसी विभिन्न सामग्री स्ट्रैटेजिक मैटीरियल से ही सम्भव हैं।

रक्षा मंत्री जी ने कहा कि पी0टी0सी0 इण्डस्ट्रीज और उसकी सहायक कम्पनी एयरो टेक्नोलॉजी लिमिटेड द्वारा यहां स्थापित स्टैटेजिक मैटीरियल टेक्नोलॉजी कॉम्प्लेक्स 50 एकड़ में फैला है और यह 01 हजार करोड़ रुपये के निवेश से बना है।

रक्षा मंत्री जी ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश इण्डस्ट्रियल रेवोल्युशन को लीड कर रहा है। इसके पीछे मुख्यमंत्री जी का मजबूत नेतृत्व है। लॉ एण्ड ऑर्डर की बेहतर स्थिति व बढ़ते निवेश से उत्तर प्रदेश के विभिन्न शहर विकास की नई कहानी लिख रहे हैं। उत्तर प्रदेश, देश का ग्रोथ इंजन बनने जा रहा है। राज्य सरकार की इण्डस्ट्री फ्रेण्डली पॉलिसीज तथा यहां के शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली से निवेशकों में भरोसा बढ़ा है। इस भरोसे पर खरा उतरने के लिए मुख्यमंत्री जी हर स्तर पर प्रयास कर रहे हैं। लखनऊ में बन रहा स्ट्रैटेजिक मैटीरियल टेक्नोलॉजी कॉम्प्लेक्स उत्तर प्रदेश के औद्योगिक नक्शे पर एक नया आयाम जोड़ने वाला है। इस प्रोजेक्ट से प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष तौर पर रोजगार के अनेक अवसर पैदा होंगे। हमारे तकनीकी संस्थान स्किल्ड मैनपावर तैयार कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज का दिन हम सबके लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। लखनऊ के लोकप्रिय सांसद और देश के रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी की उपस्थिति में उत्तर प्रदेश डिफेंस इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर के लखनऊ नोड में ब्रह्मोस मिसाइल के प्रथम बैच के फ्लैग ऑफ कार्यक्रम के साथ जुड़ने के साथ ही, हमें पी0टी0सी0 इण्डस्ट्रीज के एयरोलॉय टेक्नोलॉजी सिस्टम के इण्टीग्रेशन फैसिलिटी के आयोजन के साथ जुड़ने का अवसर प्राप्त हो रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि लखनऊ में ब्रह्मोस के साथ ही, यहां पर पी0टी0सी0 इण्डस्ट्रीज ने अपने स्ट्रैटेजिक मैटीरियल टेक्नोलॉजी कॉम्प्लेक्स को 50 एकड़ में 1,000 करोड़ रुपये की निवेश राशि से विकसित किया है। पी0टी0सी0 इण्डस्ट्रीज के माध्यम से यहां के युवाओं को नौकरी व रोजगार मिल रहा है। साथ ही, यह इण्डस्ट्री केवल रक्षा आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत और भारत की ब्रेन ड्रेन की समस्या के समाधान का एक सशक्त माध्यम भी है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत केवल सोच नहीं, बल्कि एक हकीकत है। आज का यह समारोह इस हकीकत का उदाहरण है। उत्तर प्रदेश डिफेंस इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर के 06 नोड हैं, जो सफलतापूर्वक कार्य कर रहे हैं। सभी नोड्स के लिए हमारे पास पूरा लैण्ड बैंक है। टेक्नोलॉजी के सपोर्ट के लिए आई0आई0टी0 जैसे संस्थान साथ खड़े हैं। राज्य सरकार ने ट्रेण्ड मैनपावर के लिए ए0के0टी0यू0 जैसे संस्थानों को अपने साथ जोड़ा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज से 11 वर्ष पहले प्रधानमंत्री जी ने रक्षा क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने का जो संकल्प लिया था, वह आज रक्षा मंत्री जी के नेतृत्व में फलीभूत होता हुआ दिखायी दे रहा है।

रक्षा मंत्री तथा मुख्यमंत्री ने डिफेन्स इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लखनऊ नोड में निर्मित ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल के प्रथम बैच का फ्लैग ऑफ किया

केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी 17 अक्टूबर, 2025 को यहां सिटी मॉन्टेसरी स्कूल, गोमती नगर विस्तार लखनऊ में आयोजित दीपोत्सव कार्यकर्ता परिवार मिलन समारोह में सम्मिलित हुए।

समारोह को सम्बोधित करते हुए केंद्रीय रक्षा मंत्री जी ने कहा कि आस्था और विश्वास में सबसे बड़ी ताकत होती है। यदि गणित की समस्या का समाधान आस्था एवं विश्वास से हो सकता है, तो जीवन की समस्या का समाधान भी आस्था और विश्वास से हो सकता है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्सव के पीछे का भाव लोगों के एक-दूसरे से मिलने का होता है। सनातन धर्म की परम्परा में पर्व एवं त्योहार हजारों वर्षों से मनाए जाते रहे हैं। हमारे पर्व एवं त्योहार किसी न किसी विशिष्ट घटना से जुड़े हैं। ऋषि-मुनियों ने पर्व एवं त्योहारों की परम्परा को पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाया, ताकि पूरा समाज इनसे जुड़ सके। वर्तमान समय में पर्व, त्योहार व अन्य उत्सव धीरे-धीरे परिवार तक सीमित हो गए हैं। हमें इन्हें सामूहिक रूप से कार्यक्रमों के रूप में मनाने की आदत डालनी चाहिए। दीपावली मिलन कार्यक्रम अत्यन्त प्रासंगिक है। लोग दीपावली के दिन गरीब के घर जाकर उसे मिठाई, दीप और लक्ष्मी-गणेश की प्रतिमा दें, जिससे सुख की अनुभूति प्राप्त होगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने विकसित भारत का संकल्प दिया है। सुरक्षा, समृद्धि, आत्मनिर्भरता के लिए हमारे अंदर सामाजिक एकता का भाव होना आवश्यक है। दीपावली व होली मिलन समारोह इस एकता के प्रमाण हैं। इस दीपावली मिलन कार्यक्रम के माध्यम से एकता का भाव देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि हमें स्वदेशी वस्तुओं को खरीदने की आदत डालनी चाहिए। जब केन्द्रीय रक्षा मंत्री देश को स्वदेशी मिसाइल दे रहे हैं, तो लोगों को भी स्वदेशी सामान/वस्तुएं खरीदनी चाहिए।

विद्यार्थियों को पढ़ाई-लिखाई के लिए प्रत्येक स्तर पर मेहनत करनी चाहिए :मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 17 अक्टूबर, 2025 यहां लखनऊ में दशमोत्तर एवं पूर्वदशम् छात्रवृत्ति कार्यक्रम के अन्तर्गत 10,28,205 छात्र-छात्राओं के खातों में 297.95 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति डी0बी0टी0 के माध्यम से हस्तांतरित करने के पश्चात आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को पढ़ाई-लिखाई के लिए प्रत्येक स्तर पर मेहनत करनी चाहिए। बाबा साहब डॉ0 भीमराव आम्बेडकर जी ने कहा था कि पढ़-लिख कर ही हम स्वावलम्बन के साथ अपना जीवन व्यतीत कर देश व समाज के लिए कुछ कर सकते हैं। बाबा साहब ने सीमित संसाधनों के बावजूद उच्च शिक्षा अर्जित की। वर्तमान में संसाधनों की कमी नहीं है, बल्कि हमें अपने स्तर पर थोड़ा सा प्रयास करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर उन्होंने छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति स्वीकृति प्रमाण-पत्र प्रदान किये। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री जी ने छात्र-छात्राओं से संवाद किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विद्यार्थियों को सरकार की योजनाओं के साथ जुड़ना होगा। संस्थानों में अपनी उपस्थिति दर्ज करानी होगी। पुस्तकालय जाने की आदत डालनी पड़ेगी। पाठ्यक्रम पर फोकस करना पड़ेगा। आपके मन में इनोवेशन और सीखने की जिज्ञासा होनी चाहिए। ऐसा कर आप समाज में बड़ी भूमिका का निर्वहन करने योग्य बन सकते हैं। युवाओं में असीम ऊर्जा व प्रतिभा है। इस ऊर्जा और प्रतिभा का लाभ वह स्वयं के साथ-साथ अपने परिवार, समाज व देश को उपलब्ध करा सकते हैं। यही स्कॉलरशिप प्रदान करने का उद्देश्य है। विगत साढ़े 08 वर्षों में 04 करोड़ 27 लाख से अधिक छात्र-छात्राओं को स्कॉलरशिप की सुविधा का लाभ प्रदान किया गया।

उन्होंने कहा किदीपावली पर्व से ठीक पूर्व आज 10 लाख 28 हजार 205 से अधिक छात्र-छात्राओं को लगभग 300 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति का लाभ डी0बी0टी0 के माध्यम से प्रदान किया जा रहा है। विजयादशमी पर्व से ठीक पूर्व भी बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं को स्कॉलरशिप प्रदान की गयी थी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में भ्रष्टाचार पर प्रभावी प्रहार करते हुए टेक्रोलॉजी का उपयोग कर डी0बी0टी0 के माध्यम से प्रत्येक छात्र-छात्रा के खाते में धनराशि अन्तरित करने की प्रणाली प्रदेश में लागू की गयी। विद्यार्थियों को वर्ष के अन्त में स्कॉलरशिप प्रदान करने के स्थान पर वर्ष में दो बार अक्टूबर व जनवरी महीने में छात्रवृत्ति उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गयी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा वर्तमान में 62 लाख से अधिक छात्र-छात्राएं केन्द्र व प्रदेश सरकार की छात्रवृत्ति योजना से लाभान्वित होकर अपने उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ रहे हैं। आज का समारोह डबल इंजन सरकार द्वारा छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करने हेतु उठाये जा रहे कदमों की एक कड़ी है। आज अनुसूचित जाति/जनजाति के 03 लाख 56 हजार से अधिक छात्र-छात्राओं को 114.92 करोड़ रुपये तथा सामान्य वर्ग के 97 हजार से अधिक छात्र-छात्राओं को 29.18 करोड़ रुपये की धनराशि से लाभान्वित कराया जा रहा है। अन्य पिछड़ा वर्ग के 4.83 लाख से अधिक विद्यार्थियों को 126.69 करोड़ रुपये तथा अल्पसंख्यक वर्ग के 90,758 छात्र-छात्राओं को 27.16 करोड़ रुपये की धनराशि से लाभान्वित कराया जा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार प्रत्येक स्तर पर समीक्षा करते हुए छात्रवृत्ति हेतु पर्याप्त धनराशि उपलब्ध कराती है।प्रदेश में आश्रम पद्धति विद्यालयों के माध्यम से अनुसूचित जाति के बच्चों को बेहतरीन शिक्षा के साथ रहने व खाने की व्यवस्था एक छत के नीचे प्रदान की जा रही है। गरीब बालिकाओं को लॉजिंग, फूडिंग के साथ इंटरमीडिएट तक की निःशुल्क शिक्षा कस्तूरबा गांधी विद्यालयों में दी जा रही है। प्रदेश के युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने के लिए प्रत्येक जनपद में अभ्युदय कोचिंग का बेहतरीन मंच उपलब्ध कराया गया है। प्रतियोगी परीक्षाओं के परिणामों में अभ्युदय कोचिंग से जुड़े छात्र-छात्राओं की बड़ी संख्या दिखाई देती है।

सरदार वल्लभ भाई पटेल आधुनिक भारत के शिल्पी हैं:मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 17 अक्टूबर, 2025 को लखनऊ में लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती समारोह अभियान के अवसर पर आयोजित प्रदेश स्तरीय कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल आधुनिक भारत के शिल्पी हैं। राष्ट्र के प्रति उनका योगदान अविस्मरणीय है। अंग्रेजों की फूट डालो-राज करो नीति के तहत भारत को कई टुकड़ों में विभाजित करने की साजिश रची थी। इसके पीछे कई अन्तरराष्ट्रीय ताकतें कार्य कर रहीं थीं। भारत जब आजाद हो रहा था और अन्तिम फॉर्मूले पर चर्चा हो रही थी, उस समय अंग्रेजों ने यह शर्त रखी कि हम भारत का विभाजन इस आधार पर करेंगे कि देशी रियासतों को अपनी मर्जी के हिसाब से भारत या पाकिस्तान में सम्मिलित होने या अपना स्वतन्त्र अस्तित्व रखने का अधिकार होगा। लेकिन, इसके पीछे उनकी दुरभिसन्धि यह थी कि भारत एक न रहे, क्योंकि यदि भारत एक रहेगा, तो भारत दुनिया की एक बड़ी ताकत शीघ्र बन जाएगा। भारत की सामर्थ्य व शक्ति उसे पुनः एक विकसित राष्ट्र बना देगी। इस भय से वे भारत को अलग-अलग टुकड़ों में बांटना चाहते थे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारत के दुर्भाग्यपूर्ण विभाजन के उपरान्त स्वतंत्र भारत के पहले गृहमंत्री व उपप्रधानमंत्री लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल ने अपनी सूझबूझ से भारत की 563 देशी रियासतों को भारत गणराज्य का हिस्सा बनाकर देश की एकता को मजबूती प्रदान की। उस समय जूनागढ़ और हैदराबाद रियासत भारत गणराज्य में शामिल होने से आनाकानी कर रहीं थीं। इन दोनों रिसासतों को सरदार वल्लभ भाई पटेल ने बड़ी सूझबूझ के साथ एक रक्तहीन क्रान्ति के माध्यम से उन्हें भारत गणराज्य का हिस्सा बनाया। वर्तमान में भारत का जो स्वरूप हमें दिखाई देता है या उत्तर से दक्षिण, पूरब से पश्चित तक भारत की जो एकता हमें दिखाई देती है, इसका श्रेय लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल को जाता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने के लिए उनकी पावन जयन्ती की तिथि 31 अक्टूबर को 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के रूप में आयोजित करने का निर्णय लिया। प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से भारतीय जनता पार्टी विगत 11 वर्षों से लगातार इस तिथि को 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के रूप में आयोजित करती है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी प्रत्येक वर्ष 31 अक्टूबर को हर जनपद में उत्साह व उमंग के साथ बड़े पैमाने पर 'रन फॉर यूनिटी' कार्यक्रम को आयोजित करती है। इस आयोजन में हर स्तर के लोग सम्मिलित होते हैं। इस वर्ष भी 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन होगा। लेकिन साथ-साथ कुछ नये कार्यक्रम भी आयोजित किये जाएंगे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के यशस्वी नेतृत्व व मार्गदर्शन में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' अभियान को आगे बढ़ाया जा रहा है। भारत की एकता, अखण्डता, सुरक्षा सुनिश्चिंत करने व दुनिया की एक बड़ी ताकत बनाने और विकसित भारत की संकल्पना को पूरा करने के लिए पूरी मजबूती के साथ कार्य किये जा रहे हैं। लेकिन वर्तमान में भी बहुत सारे ऐसे तत्व हैं, जो अंग्रेजों की फूट डालो-राज करो नीति को अंगीकार करके जाति, धर्म, सम्प्रदाय के नाम पर समाज में विद्वेश फैलाने का कार्य करते हैं, ताकि समाज एक न हो सके। हमारी सरकार ऐसी साजिशों से समाज को अवगत कराते हुए सामाजिक एकता को मजबूती के साथ आगे बढ़ा रही है।

सरकार शहीद पुलिस जवानों के परिवारों के कल्याण और सुविधाओं के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी 21 अक्टूबर 2025 को 'पुलिस स्मृति दिवस' के अवसर पर जनपद लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।
मुख्यमंत्री जी ने कर्तव्य की वेदी पर अपने प्राण न्यौछावर करने वाले उत्तर प्रदेश पुलिस बल के वीर शहीदों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही, शहीद पुलिस जवानों के परिवारजनों को आश्वस्त भी किया कि सरकार उनके कल्याण और उनकी सुविधाओं के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ हर जरूरी कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है।

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी से 17 अक्टूबर, 2025 को यहां राजभवन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने राज्यपाल जी को पुस्तक 'सीयराममय सब जग जानी' भेंट की।

सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश के लिए निदेशक श्री विशाल सिंह, आईएएस द्वारा प्रकाशित